

प्रेषक,

एस.राजू,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक : 31 मई, 2010

विषय: कुम्भ मेला, 2010 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत चिकित्सा/स्वास्थ्य विभाग को अवशेष धनराशि के व्यय की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1495/IV(1)/2009-99(कुम्भ)/2009 दिनांक 30.10.2009, शासनादेश संख्या 269/IV(1)/2010-99(कुम्भ)/2009 दिनांक 12.3.2010 एवं शासनादेश संख्या 422/IV(1)/2010-99(कुम्भ)/2009 दिनांक 29.3.2010 द्वारा मेला स्वास्थ्य अधिकारी/चिकित्सा विभाग को स्वच्छकों की दैनिक मजदूरी के भुगतान वित्तीय वर्ष 2009-10 में कुल रु. 1529लाख की धनराशि के व्यय की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। तत्क्रम में शासनादेश संख्या 1797/IV(1)/2009-01(70)/2008 दिनांक 30.12.2009 द्वारा कुम्भ मेलान्तर्गत योजित स्वच्छकों की दैनिक मजदूरी की दर को बढ़ाकर रु. 180/- प्रतिदिन किए जाने के फलस्वरूप आपके पत्र संख्या 7758/कुम्भ-2010/लेखा-258 दिनांक 15.5.2010 द्वारा की गई मांग की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल, स्वच्छकों की दैनिक मजदूरी के भुगतान हेतु रु. 486लाख (रु. चार करोड़ छियासी लाख) की अतिरिक्त धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों सहित व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं : -

1. उक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष 2009-10 में पी.एल.ए. में रखी धनराशि से जैसे-जैसे आवश्यकता होती है, भुगतान हेतु नियमानुसार समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद व्यय हेतु आहरित किया जाएगा।
2. व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं इस प्रकरण विशेष में शासन द्वारा समय समय पर निर्गत आदेशों, मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।
3. धनराशि का व्यय लगाए गये स्वच्छकों के सत्यापन एवं उनकी पहचान की पुष्टि/प्रमाणिकता सुनिश्चित करते हुए किया जाएगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2011 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
5. धनराशि व्यय करने से पूर्व प्रकरण में आन्तरिक ऑडिट/कन्करेंट ऑडिट द्वारा उठाई गई आपत्तियों का निराकरण सुनिश्चित कर लिया जाए।
6. यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि यदि उक्त कार्य या इसके किसी भाग हेतु कोई धनराशि अन्य विभागीय बजट से स्वीकृत की गई हो तो उसे इस योजना के प्रति बुक करके उस धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।
7. जनशक्ति के उपयोग के संबंध में कार्य के मानक निर्धारित कर ही व्यय की सीमा का आकलन पूर्व में ही कर लिया जाए एवं तदनुसार ही कार्यवाही की जाए।
8. अकुशल व कुशल श्रमिकों तथा अन्य नियोजित दैनिक वेतनभोगी कार्मिकों को शासनादेशों के अनुसार अनुमन्य मजदूरी ही भुगतान की जाएगी।
9. व्यय होने से अवशेष धनराशि को शासन को समर्पित कर दिया जाएगा।
10. उक्त धनराशि का आहरण उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार के द्वारा पी.

2- इस संबंध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या 436/IV(1)/2010-39(सा.) / 2006-टी.सी. दिनांक 25मार्च, 2010 के द्वारा मेलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गई धनराशि रु. 108.5590करोड़ के सापेक्ष आहरित कर किया जाएगा तथा पुस्तांकन तदस्थान में वर्णित लेखाशीर्षक में किया जाएगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशा.सं. 88/XXVII(2)/2010 दिनांक 26मई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस. राजू)
प्रमुख सचिव।

संख्या : 708 (1)/IV(1)/2010 तददिनांक। 31/5/10

- प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
 2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
 3. प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड शासन।
 4. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
 5. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
 6. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 7. प्रमुख सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
 8. महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
 9. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
 10. जिलाधिकारी, हरिद्वार/देहरादून।
 11. उपाध्यक्ष, हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार।
 12. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
 13. वित्त अनुभाग-2/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 14. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी.ओ. में इसे शामिल करें।
 15. मेला स्वास्थ्य अधिकारी, कुम्भ मेला, हरिद्वार।
 16. गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(सुभाष चन्द्र)
अनुसचिव।